पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : मनभावन सावन, पाठ-17 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
17.	सस्वर कविता वाचन, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, चित्र वर्णन, अभिनयात्मक पठन।	भाव एवं सौंदर्य बोध, कारण, विचार-बोध, निष्कर्ष।	बहुवचन रूप, ध्वनि का मिलान, मानवीकरण अलंकार, पद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	सावन का समाज में महत्त्व, परंपराओं की जानकारी, कविताओं एवं गीतों का संग्रह, चित्र बनाना।	प्रकृति से प्रेम, सौंदर्य बोध, सुखद आनंद की अनुभूति।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. शुद्ध रूप में आनंदभाव से लयबद्ध कविता का गान कराना तथा कविता के माध्यम से वर्षा के मौसम की सौंदर्यता के बारे में बताना।
2. बहुवचन का बोध कराना तथा प्रकृति से संबंधित ध्वनि का मिलान कराना। तथा मानवीय अलंकार की परिभाषा बताना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि आपको सबसे अच्छा मौसम कौन-सा लगता है और क्यों? जब बारिश होती है तो आपका मन क्या करता है? सावन के मौसम में प्रकृति दृश्य कैसा दिखता है? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'मनभावन सावन' पाठ-17 का अध्ययन करेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से कविता को मूल पाठ सहित दर्शाएँगे।

शिक्षण-बिंदु : 'मनभावन सावन' पाठ-17 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. इस कविता में किस मौसम का वर्णन किया है?	उ. इस कविता में वर्षा के मौसम का वर्णन किया है।
प्र.2. खग कहाँ पर गाते हैं?	उ. खग हरियाली में गाते हैं।
प्र.3. मेघ गगन में कैसे गर्जना करते हैं?	उ. मेघ गगन में घुमड़-घुमड़ गर्जना करते हैं।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. सावन के महीने में आपके आस–पास के वातावरण में क्या–क्या परिवर्तन होते हैं?

उ. सावन के महीने में पेड़–पौधे हरे–भरे हो जाते हैं तथा सारा वातावरण हरियाली से परिपूर्ण हो जाता है। पशु–पक्षी चहकने लगते हैं तथा सबका मन उमंगता से चहक उठता है। आदि।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. शब्दों के उचित बहुवचन रूप में ✓ का निशान लगवाएँगे।
2. शब्दों को उनकी ध्वनि से मिलान करवाएँगे।
3. मानवीय अलंकार की परिभाषा से अवगत कराएँगे।
4. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से संकेत पद्यांश के अंशों को दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
5. अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।
6. पद्यांश में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताएँगे। तत्पश्चात सप्रसंग व्याख्या करवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : सावन के महीने से संबंधित विषय पर संवाद करवाएँगे तथा 'मनभावन सावन' कविता लयबद्ध सुनाने के लिए कहेंगे।

परियोजना निर्माण : सावन से संबंधित कविता तथा गीतों का संग्रह तैयार करने के लिए कहेंगे।

कविता पढ़कर उभरे दृश्य को चित्रांकित करने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों ने शुद्ध रूप में लयबद्ध कविता का गान किया तथा वर्षा ऋतु के मनोहर वातावरण के बारे में जाना।

बहुवचन का बोध हुआ तथा प्रकृति से संबंधित ध्वनि को जाना और मानवीय अलंकार का बोध हुआ।

कक्षा–कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।